पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने सर सैय्यद डे आयोजन में सहभाग किया

लखनऊ 17 अक्टूबर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में लखनऊ में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संगठन द्वारा आयोजित सर सैय्यद डे पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के दिवस पर संकल्प करें कि सर सैय्यद ने जो अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रूप में जो पौधा रोपा था उसे और आगे कैसे बढ़ायें। उनकी जन्मशती के 200 साल पूरे होने पर हमें उनके दिखाये रास्ते पर चलकर गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने की चुनौती को स्वीकार करते हुए अपनी शिक्षण संस्थाओं को ऐसा बनाना होगा कि पूर्व की भांति विदेशों से लोग भारत में पढ़ने के लिए आयें। मुस्लिम समाज शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़े। इस दायरे को आगे बढ़ाने का काम अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र करे जिससे समाज के सभी वर्गो तक शिक्षा का लाभ पहुंचे। उन्हांेने कहा कि युवा वर्ग को गुणवत्ता युक्त एवं संस्कारयुक्त शिक्षा देने के लिए प्रबुद्ध वर्ग आगे आये।

राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के संस्थापक सर सैय्यद अहमद एवं बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक दोनों की आर्थिक स्थिति विश्वविद्यालय बनाने जैसी नहीं थी। लोगों के सहयोग से दोनों ने विश्वविद्यालय की स्थापना की। यह दोनों विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश का गहना हैं। यह गलत धारणा है कि अलीगढ़ विश्वविद्यालय में केवल मुस्लिम छात्र शिक्षा ग्रहण करते हैं और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में केवल हिन्दू छात्र। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों में हिन्दू एवं मुस्लिम वर्ग के ऐसे भी छात्र हैं जिन्हांेने देश का नाम रोशन किया है। सर सैय्यद अहमद एवं पं0 महामना मदन मोहन मालवीय की सोच थी कि देश को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा जरूरी है और दोनों ने इन विश्वविद्यालयों का नाम विदेशों तक पहंुचाया। उन्होंने कहा कि गंगा-जमुनी तहजीब का असली रूप हैं यह दोनों संस्थायें।

श्री नाईक ने कहा कि वे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रेक्टर हैं। विभिन्न केन्द्रीय विश्वविद्यालयों का दौरा कर चुके हैं लेकिन अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जाने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि वे जल्दी ही अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय जायेंगे। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ने खान अब्दुल गफ्फार खान, रफी अहमद किदवई, पूर्व राष्ट्रपति जाकिर हुसैन, लाला अमरनाथ, राजा महेन्द्र सिंह जैसे व्यक्तित्व देश को दिये हैं। शिक्षा ही विकास की कुंजी है। शिक्षा से देश की ताकत नापी जाती है। उन्हांेने कहा कि शिक्षा कमजोर कड़ी है, सर सैय्यद ने उसे ताकतवर बनाने का काम किया है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने मेधावी छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकर, श्री आलोक रंजन, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संगठन के अध्यक्ष, श्री ए0के0 माथुर, पुलिस महानिदेशक, श्री जावीद अहमद, पूर्व पुलिस महानिदेशक, श्री रिजवान अहमद सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर एक स्मारिका का लोकार्पण भी किया।

अंजुम/राजेन्द्र/राजभवन(386/24)

October 2016
a-e-Qaum
hmad Khan
ief Guest :
Hon'ble G
r, Uttar Prades
Chief
radesh

علی گڑہ مسلم یونیورسٹی اولڈ بوائز ایسوسی ایشن، لکھنو
ALIGARH MUSLIM UNIVERSITY OLD BOYS' ASSOCIATION
LUCKNOW BRANCH, LUCKNOW
Bicentenary Celebration 17th October 2016
Baba-e-Qaum
Sir Syed Ahmad Khan
Chief Guest :
Sri Ra Naik Hon'ble Governor, Uttar Pradesh
Guest o our :
Uttar Pradesh

Chief Guest :
Hon'ble Governor, Uttar Pradesh

ALIGARH MUSLIM UNIVERSITY OLD BOYS' ASSOCIATION
LUCKNOW BRANCH, LUCKNOW
Bicentenary Celebration 17th October 2016
Baba-e-Qaum
Sir Syed Ahmad Khan
Chief Guest :
Sri Ram Naik
H MUSLIM UNIVERSITY OLD BOYS' ASSOCIATION, LUCKN
Bicentenary Celebration 17th October 2016